राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

सूर्यास्त 07:16 | सूर्योदय 05:45
तापमान
अधिकतम 33° | न्यूनतम 27°

वर्ष: 07 | अंक: 21 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com — कैथल, मंगलवार 4 अगस्त, 2026 — RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप कर सकते हैं

9499422208

हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना से जरूरतमंद परिवारों को मिल रही राहत

बेटियों की खुशियों में सरकार की भागीदारी...

कलासो देवी » कैथल

हरियाणा सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सहायता के लिए चलाई जा रही 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' समाज की बेटियों और दिव्यांगजनों की शादी में एक बड़ा संबल साबित हो रही है। कैथल की उपायुक्त (डीसी) अपराजिता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में आने वाली आर्थिक चिंता को दूर करना और समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। उन्होंने जिले के सभी पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों से अपील की है कि वे सरकार की इस कल्याणकारी योजना का लाभ उठाने के लिए आधिकारिक पोर्टल shadi.edisha.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करें।

विभिन्न वर्गों के लिए निर्धारित सहायता राशि...

डीसी अपराजिता ने स्पष्ट किया कि योजना के तहत अलग-अलग वर्गों और विशेष परिस्थितियों के अनुसार अनुदान राशि का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए परिवार की वार्षिक आय सीमा 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए:

- **अनुसूचित, विमुक्त व टपरीवास जाति:** इन वर्गों के पात्र परिवारों की बेटियों के विवाह पर सरकार द्वारा 71 हजार रुपये की अनुदान राशि दी जाती है।
- **पिछड़ा वर्ग :** इस वर्ग की बेटियों की शादी के लिए 51 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है।
- **सामान्य वर्ग:** सामान्य वर्ग के जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी के लिए 41 हजार रुपये दिए जाते हैं।
- **महिला खिलाड़ी:** 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाली महिला खिलाड़ियों की शादी के लिए भी 41 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है।

विधवा और बेसहारा महिलाओं को मदद...

सरकार ने विशेष परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही महिलाओं का भी विशेष ध्यान रखा है। सभी वर्गों की विधवा, अनाथ, तलाकशुदा और बेसहारा महिलाओं के बच्चों तथा उनकी बेटियों की शादी के लिए 51 हजार रुपये की राशि अनुदान के रूप में दी जाती है।

दिव्यांगजनों को मिलने वाली सहायता...

उपायुक्त ने दिव्यांग जोड़ों के लिए मिलने वाली सहायता राशि की स्थिति भी साफ की:

- यदि विवाह में वर और वधू दोनों दिव्यांग हैं: 51,000
- यदि वर या वधू में से कोई एक व्यक्ति दिव्यांग है: 41,000

महत्वपूर्ण निर्देश: 6 महीने के भीतर पंजीकरण अनिवार्य

डीसी अपराजिता ने एक महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद छह माह के भीतर विवाह पंजीकरण (Marriage Registration) करवाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि आवेदन की पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह से सरल और सुगम बनाया गया है ताकि जरूरतमंदों को बिना किसी परेशानी के समय पर सहायता मिल सके।

युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

नारायणगढ़ » डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी की प्रधान डॉ. पूनम सूरी के 79वें जन्मदिवस पर गांव बरौली में 'नो नशा नेशन' अभियान के तहत 100 कुंडीय महायज्ञ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आर.पी. राठी ने की। जागरूकता रैली, हवन और नशा मुक्ति शपथ के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से बचाकर संस्कारयुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना है। कार्यक्रम में गांव के जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों ने भाग लिया। अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया तथा शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मिडिल ईस्ट में टला बड़ा युद्ध

सहयोगियों की अपील पर ट्रंप ने ईरान से बातचीत को दी मंजूरी

एजेंसी » नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत सोमवार दोपहर को शुरू होगी। उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़े अमेरिकी सैन्य हमले की योजना को टाल दिया है, जिससे हफ़्तों से बढ़ते तनाव के बावजूद कूटनीति की दिशा में नई पहल का संकेत मिलता है। रविवार को न्यू जर्सी से वॉशिंगटन लौटते समय 'एयर फ़ोर्स वन' में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक बड़ा मिलिट्री ऑपरेशन शुरू करने के लिए तैयार था, लेकिन क्षेत्रीय सहयोगियों की अपील के बाद इसे रोकने का फ़ैसला किया गया, क्योंकि उन्हें लगा कि कूटनीतिक समाधान निकल सकता है।

ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत बड़ा हमला होने वाला था। यह हमला दूसरे विश्व युद्ध के बाद का अब तक का सबसे बड़ा हमला होता। ट्रंप ने बताया कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), कतर और ईरान ने उनसे सैन्य कार्रवाई न करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि हम उनसे बातचीत (नेगोशिएशन) के ज़रिए बात कर रहे हैं। यह कल दोपहर शुरू होगी, और देखते हैं क्या होता है। कूटनीति को लेकर उम्मीद जताते हुए ट्रंप ने कहा, ₹मैं ऐसा ज़रूर करना चाहूँगा। इससे बहुत सारी जानें बचेंगी।

जब पूछा गया कि क्या ईरान के पास समझौता करने के लिए कोई समय-सीमा है, तो ट्रंप ने कहा कि वे और टकराव के बजाय बातचीत से समाधान निकालना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं समझौता करना ज़्यादा पसंद करूँगा। मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता क्योंकि लोग मरते हैं, बहुत से लोग मरते हैं, और हम ऐसा नहीं चाहते। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि दूसरा विकल्प यानी मिलिट्री ऑपरेशन ₹उनके लिए विनाशकारी होता₹ और कहा कि सऊदी अरब ने कूटनीति का समर्थन किया क्योंकि उसका मानना था कि समझौता जल्द ही होने वाला है।

विधानसभा मॉनसून सत्र के पहले ही दिन योगी सरकार से भिड़ी समाजवादी पार्टी

नई दिल्ली » उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मॉनसून सत्र की आज हुई शुरुआत के दौरान अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सभी दलों के जो तेवर दिखे और एक दूसरे को घेरने की जो तैयारियां देखने को मिलीं उसके चलते यह सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। सत्र की शुरुआत वाले दिन ही जिस तरह विपक्षी विधायकों ने सरकार को घेरा और पलटवार में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर जो करारा निशाना साधा उससे स्पष्ट हो गया कि सभी नेता अपने अपने चुनावी तरकश में जबरदस्त वार वाले राजनीतिक तीर लेकर आये हैं। हम आपको बता दें कि सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों का स्वागत करते हुए सदन को जनता की आवाज सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी मंच बताया।

राघव चड्ढा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

स्टूडेंट्स के आंदोलन को राजनीतिक सीढ़ी न बनाएं

एजेंसी » नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को विपक्ष पर नीट परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों की भावनाओं का फायदा उठाने का आरोप लगाया। 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर राज्यसभा में बहस के दौरान उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह विवाद बीजेपी और कांग्रेस के बीच नहीं, बल्कि मेरिट और माफिया तथा मेहनत और सेटिंग के बीच है। चड्ढा ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को छात्रों के विरोध-प्रदर्शन का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए करने से बचना चाहिए और पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए संस्थागत सुधारों की वकालत की। उन्होंने कहा कि जैसे कैंसर का इलाज क्रोसिन से नहीं हो सकता, वैसे ही पेपर लीक की समस्या का समाधान मीडिया में बयानबाजी से नहीं, बल्कि संस्थागत उपायों से ही हो सकता है। हमारी सरकार आज भारत का पहला 'एंटी-पेपर लीक फ्रेमवर्क' लाकर यही करने जा रही है। बीजेपी नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ़ की कि उन्होंने एक प्रधानमंत्री और एक अभिभावक, दोनों ही भूमिकाओं में छात्रों की चिंताओं पर ध्यान दिया। उन्होंने पेपर लीक के मामलों को गंभीर अपराध मानकर उनके लिए फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने के सरकार के फ़ैसले का स्वागत किया और कहा कि छात्रों की आवाज़ मायने रखती है।

न्यूज ब्रीफ

पश्चिम बंगाल में ड्रग्स माफिया पर बड़ी कार्रवाई

कैथल » पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने दक्षिण दिनाजपुर और मालदा ज़िले की पुलिस की तारीफ की है। उन्होंने अंतर-राज्यीय और सीमा-पार फैले नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ़ एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। पिछले महीने ड्रग तस्कर मृदुल घोष की गिरफ़्तारी के बाद, इस ऑपरेशन में तीन और आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया, जिनमें मुख्य सहयोगी पिंटू सरकार भी शामिल है। X पर पोस्ट करते हुए अधिकारी ने कहा कि मैं दक्षिण दिनाजपुर जिला पुलिस और मालदा ज़िला पुलिस की तारीफ़ करता हूँ कि उन्होंने एक शानदार जॉइंट ऑपरेशन चलाया, जिससे अंतर-राज्यीय और सीमा-पार ड्रग नेटवर्क को जबरदस्त झटका लगा है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने कुख्यात तस्कर मृदुल घोष की गिरफ़्तारी के बाद, तेज़ी से हुई आगे की जाँच में उसके मुख्य साथी पिंटू सरकार और दो अन्य सह-आरोपियों को भी पकड़ लिया गया।

9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान

कैथल » डीसी अपराजिता ने बताया कि जिले में 9 से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। 14 अगस्त को जिला स्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति कार्यक्रम आयोजित होगा। साथ ही वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर बाइक व साइकिल रैली, तिरंगा यात्रा, प्रदर्शनी और स्कूलों में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अभियान में सरकारी विभागों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इंदिरा गांधी महाविद्यालय की कैडेट्स का आरडी कैंप के लिए चयन...

कैथल » इंदिरा गांधी पीजी महिला महाविद्यालय, कैथल की एनसीसी कैडेट पल्लवी (बीएससी द्वितीय वर्ष) और आरती (बीए द्वितीय वर्ष) का प्रतिष्ठित रिपब्लिक डे कैंप (आरडीसी) की सिंगिंग टीम के लिए चयन हुआ है। दोनों कैडेट्स ने 20 से 29 जुलाई तक कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, कौल में आयोजित सीएटीसी-137 प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन किया। शिविर की सिंगिंग प्रतियोगिता में दोनों ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर दो पदक जीते, जिसके आधार पर उनका आरडीसी सिंगिंग टीम में चयन हुआ। महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान राम बहादुर खुरानिया और प्राचार्या डॉ. आरती गर्ग ने इस उपलब्धि पर दोनों छात्राओं, एनसीसी एएनओ और प्रशिक्षण दल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्राओं की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है तथा अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणादायक है।

नई नियुक्तियां

कुसुम गुप्ता जिला अध्यक्ष और प्रदीप गर्ग महामंत्री

पंचकूला। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, हरियाणा ने संगठन का विस्तार करते हुए कुसुम कुमार गुप्ता को पंचकूला जिला अध्यक्ष और प्रदीप गर्ग को जिला महामंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुलभूषण गोयल ने दोनों को बधाई दी। नियुक्ति पत्र प्रदेशाध्यक्ष विपिन गोयल की ओर से जारी किया गया। कुसुम गुप्ता ने कहा कि संगठन समाज सेवा, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रहा है तथा वे संगठन की गतिविधियों को जिले में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी। दोनों पदाधिकारियों ने संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का भरोसा दिया।

कुरुक्षेत्र: युवा शक्ति के संकल्प से बनेगा नशामुक्त और विकसित भारत : राज्यपाल

हिन्दुस्तान एकता » कुरुक्षेत्र

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि युवा शक्ति के संकल्प से ही भारत को नशामुक्त और विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के श्रीमद्भगवद्गीता सदन में आयोजित 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से ज्यादा युवाओं को ऑनलाइन माध्यम से नशे से दूर रहने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को भी नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यह अभियान केवल नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का जन आंदोलन है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर रविन्द्र सांगवान, सुभाष कलसाना, उप निदेशक सुरमयी शर्मा, एसएनओ दिनेश कुमार, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. बिंदु शर्मा, प्रो. दीपक राय बब्बर सहित शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी मौजूद रहे।

सुविचार

"विश्वास करो कि तुम कर सकते हो और तुम आधी मंजिल तय कर लोगे"

संपादकीय

विकास बनाम जनसरोकार: क्या आम नागरिक की आवाज़ सुनी जा रही है?

आज कहा जाता है कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती अर्थव्यवस्था से नहीं, बल्कि वहाँ रहने वाले आम नागरिक के चेहरे पर दिखाई देने वाली संतुष्टि और सम्मान से होती है। जब कोई किसान पूरे वर्ष की मेहनत के बाद अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं पाता, जब एक शिक्षित युवा नौकरी की तलाश में दर-दर भटकता है, जब एक माँ अपने बच्चे के इलाज के लिए अस्पतालों के चक्कर काटती है, या जब एक बुज़ुर्ग अपनी पेंशन के लिए सरकारी दफ्तरों की सीढ़ियाँ चढ़ता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच एक सवाल अनायास ही उठता है—क्या सचमुच आम आदमी की आवाज़ सुनी जा रही है?

भारत आज विकास की नई इबारत लिख रहा है। विश्व मंच पर उसकी प्रतिष्ठा बढ़ रही है। आधुनिक एक्सप्रेसवे, वंदे भारत ट्रेनें, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, औद्योगिक निवेश और बढ़ती अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से गर्व का विषय हैं। हर भारतीय चाहता है कि उसका देश आगे बढ़े, आत्मनिर्भर बने और दुनिया में नई पहचान बनाए। लेकिन विकास की यह यात्रा तभी सार्थक होगी, जब इसका प्रकाश देश के अंतिम छोर पर खड़े उस व्यक्ति तक भी पहुंचे, जो आज भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है।

विकास का अर्थ केवल सीमेंट और कंक्रीट की संरचनाएँ खड़ी करना नहीं है। विकास तब होता है जब किसी गरीब की झोपड़ी में पहली बार बिजली का बल्ब जलता है, जब किसी बेटी को सुरक्षित होकर स्कूल जाने का अवसर मिलता है, जब किसी किसान को अपनी मेहनत का उचित मूल्य मिलता है, जब किसी मरीज को समय पर इलाज मिल जाता है और जब किसी युवा के हाथों को रोजगार मिलता है। विकास का सबसे सुंदर चेहरा वही है, जो इंसान के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और सम्मान लेकर आए।

आज भी देश के अनेक गाँव ऐसे हैं जहाँ स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक सपना बनी हुई हैं। शहरों में रहने वाला मध्यम वर्ग लगातार बढ़ती महँगाई से जूझ रहा है। छोटे व्यापारी बदलते आर्थिक माहौल में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। किसान मौसम की मार, बढ़ती लागत और बाजार की अनिश्चितताओं के बीच भविष्य को लेकर चिंतित है। ये केवल आँकड़े नहीं हैं; ये उन करोड़ों भारतीयों की वास्तविक कहानियाँ हैं, जिनकी आवाज़ लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण आवाज़ होनी चाहिए।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यही है कि यहाँ सत्ता का वास्तविक मालिक जनता होती है। सरकारें जनता के विश्वास से बनती हैं और उनकी सफलता का पैमाना भी जनता का विश्वास ही होता है। इसलिए आवश्यक है कि नीतियाँ केवल कागज़ों पर नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव के रूप में दिखाई दें। जनसुनवाई, पंचायत, नगर निकाय, मीडिया और नागरिक संवाद तभी सार्थक हैं जब आम नागरिक यह महसूस करे कि उसकी बात केवल सुनी ही नहीं जा रही, बल्कि उस पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई भी हो रही है।

तकनीक ने निश्चित रूप से शासन को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया है। आज शिकायतें ऑनलाइन दर्ज होती हैं, योजनाओं की जानकारी मोबाइल तक पहुँचती है और सरकारी सेवाएँ डिजिटल माध्यम से उपलब्ध हैं। लेकिन हमें यह भी याद रखना होगा कि देश का एक बड़ा वर्ग आज भी डिजिटल संसाधनों और तकनीकी ज्ञान से पूरी तरह नहीं जुड़ पाया है। यदि विकास किसी एक वर्ग तक सीमित रह जाए, तो वह समावेशी नहीं कहलाएगा। सच्चा विकास वही है जो किसी को पीछे न छोड़े।

जनसमर्थन का पथ

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, सामाजिक विचारक एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

सत्ता से बढ़कर सदा, जनता का विश्वास।
सेवा, सच, समर्पण ही, नेतृत्व की आस॥

सत्ता चाहो या चुनो, जन-जन का सम्मान।
स्वार्थ नहीं, जनहित बने, जीवन की पहचान॥
क्षणिक नहीं टिक पाएगा, झूठा हर उत्थान—
सत्ता से बढ़कर सदा, जनता का विश्वास॥

संघर्षों की राह पर, मिलता सच्चा मान।
वाहवाही के शोर का, टिकता कब सम्मान॥
कर्मों से मिलता सदा, यश का ऊँचा स्थान—
सत्ता से बढ़कर सदा, जनता का विश्वास॥

ख़बर वही जो सत्य हो, न बने मात्र प्रचार।
कलम न झुके स्वार्थ पर, रखे धर्म-आचार॥
सत्य सदा लिखता रहा, इतिहासों का ज्ञान—
सत्ता से बढ़कर सदा, जनता का विश्वास॥

न्याय वही जो दे सके, निर्बल को अधिकार।
दिखावे की रोशनी, करती सिर्फ़ प्रचार॥
सत्य-विवेक के पथ सदा, मिलता है सम्मान—
सत्ता से बढ़कर सदा, जनता का विश्वास॥

'सौरभ' सेवा जो करे, बिना किसी जब स्वार्थ।
जन-मन उसका साथ दे, बने वही परमार्थ॥
स्थायी होती जीत ही, जिसमें हो ईमान—
सत्ता से बढ़कर सदा, जनता का विश्वास॥

हिंदुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,
यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।
ईमेल:
hindustanektaliterature@gmail.com

PoJK में बढ़ता जन असंतोष: क्या भारत को अब नई कूटनीतिक पहल करनी चाहिए?

ललित कौशिक
ओ.एस.डी. टू कुलपति
डॉ. बी. आर. आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत (हरियाणा)

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (PoJK) एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। हाल के महीनों में बिजली की बढ़ती दरों, महंगाई, करों के बोझ, बेरोजगारी तथा बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर हुए विरोध-प्रदर्शनों ने इस क्षेत्र की परिस्थितियों की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। इन घटनाओं ने यह प्रश्न भी उठाया है कि क्या PoJK का मुद्दा केवल भारत और पाकिस्तान के बीच क्षेत्रीय विवाद तक सीमित है, या इसे मानवाधिकारों, सुशासन और नागरिक अधिकारों के व्यापक संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए।

भारत का आधिकारिक और दीर्घकालिक रुख स्पष्ट है कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों का उपयोग सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ और आतंकवादी ढांचे को समर्थन देने के लिए किया जाता रहा है। इन चिंताओं को भारत ने संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समय-समय पर उठाया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान इस क्षेत्र के प्रशासन पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है और घटनाओं को अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करता है। परिणामस्वरूप PoJK से जुड़ा प्रत्येक घटनाक्रम केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक कूटनीति का विषय भी बन जाता है।

हालिया प्रदर्शनों के पीछे मुख्य रूप से आर्थिक और प्रशासनिक कारण बताए गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने बिजली की ऊंची दरों, महंगाई, कर व्यवस्था, बेरोजगारी तथा प्रशासनिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर असंतोष व्यक्त किया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और सरकार से जवाबदेही मांगने का अधिकार प्राप्त है। यदि कहीं भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन, अत्यधिक बल प्रयोग या नागरिक स्वतंत्रताओं पर अनुचित प्रतिबंधों के विश्वसनीय आरोप सामने आते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उनकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की अपेक्षा स्वाभाविक मानी जाती है। भारत के सामने इस समय चुनौती केवल सुरक्षा दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। एक ओर सीमा पार आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंताएं हैं, तो दूसरी ओर लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकारों और सुशासन से जुड़े प्रश्न भी हैं। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में किसी भी देश की प्रभावशीलता केवल उसकी सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि उसके लोकतांत्रिक मूल्यों, संस्थागत विश्वसनीयता, संवैधानिक प्रतिबद्धता और नैतिक नेतृत्व से भी आंकी जाती है। ऐसे में भारत यदि तथ्यों और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है, तो उसका पक्ष और अधिक प्रभावी ढंग से सामने आ सकता है।

जम्मू-कश्मीर का प्रश्न लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के संबंधों का सबसे संवेदनशील विषय रहा है। भारत लगातार सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर अपनी चिंता व्यक्त करता रहा है, जबकि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर से जुड़े अपने राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है। इसलिए PoJK में हो रहे हालिया घटनाक्रमों पर दोनों देशों की प्रतिक्रियाएं भी भिन्न दिखाई देती हैं। ऐसे विषयों पर सार्वजनिक विमर्श राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के आधार पर होना चाहिए।

भारत के लिए एक बहुआयामी और संतुलित कूटनीतिक रणनीति अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकती है। यदि PoJK में मानवाधिकारों अथवा नागरिक स्वतंत्रताओं से जुड़े गंभीर और विश्वसनीय आरोप सामने आते हैं, तो भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की मांग कर सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट कर सकता है कि जहां कहीं भी नागरिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन से जुड़े प्रश्न उठते हैं, वहां पारदर्शिता, जवाबदेही और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान आवश्यक है। ऐसा दृष्टिकोण किसी विशेष राजनीतिक परिणाम की वकालत नहीं करता, बल्कि सार्वभौमिक मानवाधिकार सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है।

इसके साथ ही भारत के लिए यह भी आवश्यक है कि वह आतंकवाद के विरुद्ध अपनी स्थापित नीति को पहले की तरह दृढ़ता से जारी रखे। राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा किसी भी संप्रभु राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। यदि भारत एक ओर आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखता है और दूसरी ओर लोकतांत्रिक मूल्यों तथा कानून के शासन के समर्थन में निरंतर अपनी बात रखता है, तो उसकी कूटनीतिक विश्वसनीयता और अधिक मजबूत हो सकती है। आज की वैश्विक राजनीति में आर्थिक क्षमता, तकनीकी प्रगति, वैश्विक साझेदारियां और विश्वसनीय विदेश नीति किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन चुके हैं। भारत ने हाल के वर्षों में वैश्विक मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए स्वयं को एक जिम्मेदार और रचनात्मक शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। ऐसे में PoJK के संदर्भ में भी यदि भारत तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानून और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित नीति अपनाता है, तो उसका पक्ष विश्व समुदाय के समक्ष और अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत हो सकता है। अंततः पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर का प्रश्न केवल भूगोल या सीमाओं का नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के अधिकारों, सुरक्षा, सुशासन और क्षेत्रीय स्थिरता का भी विषय है। दीर्घकालिक शांति और स्थिरता तभी संभव है, जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं, मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय कानून के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। भारत के लिए यह अवसर है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में तथ्यों, कानून और प्रभावी कूटनीति के आधार पर अपना पक्ष और अधिक सशक्त रूप से विश्व समुदाय के समक्ष रखे। यही संतुलित, विवेकपूर्ण और दूरदर्शी नीति दक्षिण एशिया में स्थायी शांति, स्थिरता और विश्वास निर्माण की दिशा में सार्थक योगदान दे सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

पत्नी: घर की नींव या सबका पंचिंग बैग?

आर.जे. रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम गोल्ड 100.1

एक घर बनता है चार दीवारों से नहीं, एक रिश्ते से। और उस रिश्ते का नाम है - पत्नी। क्योंकि अगर बिना उसके घर पूरा होता तो कोई शादी ही न करता। वो रात भर उठकर चादर ढकती है। सुबह सबसे पहले चाय बनाती है। ऑफिस से लेट आने पर भी पानी देती है, खाना खिलाती है। बुखार में रात-रात भर माथा देखती है। तनख्वाह कम आए तो कोई बात नहीं, अगले महीने देख लेंगे कहकर हिम्मत देती है। जेब खाली हो तो अपनी जरूरतें टाल देती है, पर आपको एहसास नहीं होने देती।

यही औरत आपकी सबसे बड़ी ताकत है। पर अजीब बात है कि जिस पर हमें सबसे ज्यादा नाज़ होना चाहिए, उसी को हम सबसे ज्यादा तोड़ देते हैं।

कब बन जाती है वो पंचिंग बैग?

ऑफिस में बॉस डांटे, ट्रैफिक में जाम मिले, बिल ज्यादा आ जाए - और गुस्सा घर आकर उसी पर।

तुम करती ही क्या हो दिन भर, बच्चे शोर कर रहे हैं, खर्चा बहुत है।

वो चुप हो जाती है क्योंकि उसे पता है बहस से घर टूटेगा। पर कभी पलट कर जवाब दे तो झगड़ा जंग बन जाता है। हम उसका हर प्यार, हर साथ भूल जाते हैं। जब वो थक कर चुप हो जाती है तो हमें लगता है सब ठीक है।

धीरे-धीरे वो हर किसी का गुस्सा झेलने वाली डस्टबिन बन जाती है। सास के ताने, ननद की शिकायतें, पड़ोसी की बातें - सबका जवाब उसे देना पड़ता है। जो लोग हमारे साथ रहते भी नहीं, उनकी बात हमें सही लगने लगती है और पत्नी गलत।

सबसे बड़ा जख्म: तुम दखल मत दो

सबसे बड़ा घाव तब लगता है जब कहा जाता है - तुम अपने से मतलब रखो। मेरी फैमिली में दखल मत दो।

सोचिए... जिसने आपके लिए अपना घर, माँ-बाप, पहचान सब छोड़ दिया। जिसने आपकी फैमिली को अपना मानकर सेवा की। त्योहार, बीमारी, रिश्तेदारी - हर जगह कंधे से कंधा मिलाया। जिससे हर मुश्किल में आप पहले मदद मांगते हैं।

उसी से आप कहते हैं ये तुम्हारा मामला नहीं।

घर के फैसले में राय नहीं, खर्च में पूछ नहीं, रिश्तेदारों के सामने इज्जत नहीं। सबके लिए सब कुछ करके भी वो पराई ही रही। हर बात पर तुम और तुम्हारी फैमिली कहकर अलग कर देना आदत बन गई।

ये सबसे बड़ा अन्याय है। रिश्ता खून से नहीं, समर्पण से निभता है। और उसने वो समर्पण दिया।

मां का दर्जा ऊंचा है, पर पत्नी का दर्जा भी कम नहीं। आज आपका ख्याल वो रखती है। मां की इज्जत का मतलब पत्नी की बेइज्जती नहीं।

सबसे बड़ा विरोधाभास

जो रात 2 बजे बुखार में पट्टी बदलती है, उसी से कहते हैं तुम होती कौन हो।

जो 30 दिन तनख्वाह बचा बचा कर घर चलाती है, उसी से कहते हैं खर्चा बहुत करती हो।

जो आपके माता-पिता को अपना मानती है, उसी पर इल्जाम तुम्हारी वजह से झगड़ा होता है।

हम भूल जाते हैं उसने शादी के दिन कहा था अंतिम सांस तक साथ निभाऊंगी। और हम उसी वादे को कमजोरी समझ बैठते हैं।

सोचिए जरा

एक दिन अगर वो चुप हो जाए तो?

सुबह की चाय कौन बनाएगा? बीमारी में ख्याल कौन रखेगा? त्योहार पर घर कौन सजाएगा? माता-पिता की दवा कौन याद दिलाएगा? और आपका दुख बिना जज किए कौन सुनेगा?

जिस कंधे पर सर रखकर आप रोते हैं, वो कंधा कहां से लाएंगे?

वो भी इंसान है। उसे भी तारीफ चाहिए। थैंक्यू चाहिए। कभी ये सुनना है तुम्हारे बिना घर नहीं चलता।

पत्नी पंचिंग बैग नहीं, घर की रीढ़ है

रीढ़ पर लगातार वार करेंगे तो एक दिन वो टूट जाएगी। और जिस दिन रीढ़ नहीं, उस दिन महल मिट्टी का ढेर बन जाएगा।

तो बदलाव कहां से शुरू हो?

1. गुस्सा बाहर छोड़िए ऑफिस का तनाव घर पर मत उतारिए। वो साथी है, दुश्मन नहीं।
2. घर की सदस्य मानिए दखल मत दो कहने से पहले सोचिए उसने क्या-क्या नहीं किया।
3. तारीफ कीजिए आज खाना अच्छा बना ये शब्द उसकी दिन भर की थकान मिटा देंगे।
4. साथ दीजिए काम नहीं कर सकते तो 2 मिनट हाथ पकड़कर हाल पूछ लीजिए।
5. इज्जत दीजिए सास, दोस्त, बच्चों के सामने उसकी बेइज्जती मत कीजिए।

कहते हैं घर में लक्ष्मी तभी बसती है जब स्त्री का सम्मान होता है। पत्नी को गाली देकर, पराई कहकर आप सिर्फ रिश्ता नहीं तोड़ रहे। आप घर की शांति, बच्चों का बचपन और अपने बुढ़ापे का सहारा तोड़ रहे हैं। उसका रोना नाटक नहीं। ये वो तकलीफ है जो वो किसी और से नहीं कह सकती, इसलिए आपके सामने रो देती है।

आखिरी सवाल खुद से

70 साल की उम्र में अस्पताल के बेड पर कौन हाथ पकड़ेगा? बॉस? दोस्त?

नहीं। वो औरत पकड़ेगी जिसे आपने आज दखल देने वाली कहा।

इसलिए तुलना छोड़िए। ताने छोड़िए। तारीफ शुरू कीजिए।

क्योंकि पत्नी आपका सहारा है, घर की नींव है - पंचिंग बैग नहीं

(यह लेखिका के निजी विचार है)

कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान तथा विधि का शासन है। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि देश में कानून कितनी निष्पक्षता, समानता और दृढ़ता के साथ लागू होता है। यदि कानून भीड़ के दबाव, राजनीतिक लाभ, सामाजिक तनाव या संभावित अराजकता के भय से प्रभावित होने लगे तो लोकतंत्र का मूल आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए यह कहना पूरी तरह उचित प्रतीत होता है कि कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता। कानून का उद्देश्य समाज में शांति, न्याय और व्यवस्था स्थापित करना है, न कि अव्यवस्था के भय से अपने सिद्धांतों से समझौता करना।

विधि के शासन का अर्थ है कि देश में कोई भी व्यक्ति, संस्था या सरकार कानून से ऊपर नहीं है। संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और सभी पर समान रूप से कानून लागू होने की अपेक्षा करता है। यदि किसी वर्ग, संगठन या भीड़ के हिंसक दबाव के कारण सरकार या प्रशासन अपने वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से पीछे हटने लगे तो यह विधि के शासन की भावना के विपरीत होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र का आधार कानून का शासन है और न्यायालयों का दायित्व है कि वे बिना भय या पक्षपात के उसकी रक्षा करें।

आज के समय में यह प्रश्न अधिक प्रासंगिक इसलिए भी हो गया है क्योंकि समाज में विरोध प्रदर्शनों, सामाजिक आंदोलनों और राजनीतिक मतभेदों की संख्या बढ़ी है। लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर सकते हैं, सरकार से प्रश्न पूछ सकते हैं और अपनी मांगों को सार्वजनिक रूप से रख सकते हैं। लेकिन जब यही विरोध हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, सरकारी कार्य में बाधा या कानून व्यवस्था को चुनौती देने का माध्यम बन जाए, तब राज्य का दायित्व केवल दर्शक बने रहने का नहीं बल्कि कानून के अनुसार कार्रवाई करने का होता है। दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि कानून लागू करने के नाम पर राज्य मनमानी नहीं कर सकता। कानून की दृढ़ता और राज्य की कठोरता में अंतर होता है। हाल के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को दोहराते हुए यह भी कहा कि केवल प्रदर्शन होने के कारण पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग उचित नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक अधिकार है और प्रशासन की प्रतिक्रिया भी कानून के दायरे में रहनी चाहिए।

यही लोकतंत्र का संतुलन है। कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता, लेकिन कानून के नाम पर नागरिक अधिकारों का दमन भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्य का कर्तव्य है कि वह दोनों पक्षों के बीच संतुलन स्थापित करे। यदि कानून केवल शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाए तो नागरिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी और यदि कानून भीड़ के दबाव में झुक जाए तो न्याय व्यवस्था कमजोर हो जाएगी।

भारतीय संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया है। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका उनकी संवैधानिक व्याख्या करती है। यदि इन संस्थाओं में से कोई भी अपने दायित्व से विमुख हो जाए या बाहरी दबावों के कारण अपने निर्णय बदलने लगे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल के निर्णयों में भी यह दोहराया है कि नए अपराध बनाना या कानून का विस्तार करना न्यायपालिका का कार्य नहीं है, क्योंकि संविधान ने प्रत्येक संस्था की स्पष्ट सीमाएं निर्धारित की हैं। कानून का सबसे बड़ा गुण उसकी निष्पक्षता है। यदि एक ही प्रकार के अपराध के लिए अलग अलग लोगों के साथ अलग व्यवहार किया जाए तो समाज का विश्वास न्याय व्यवस्था से उठने लगता है। यही कारण है कि न्यायालय बार-बार समानता के सिद्धांत पर बल देते हैं। कानून किसी व्यक्ति की लोकप्रियता, राजनीतिक शक्ति, आर्थिक स्थिति, जाति, धर्म या सामाजिक प्रभाव को देखकर नहीं बदल सकता। यदि ऐसा होने लगे तो लोकतंत्र की जगह व्यक्तियों का शासन स्थापित हो जाएगा।

इतिहास गवाह है कि जब भी किसी राष्ट्र ने भीड़ को कानून से ऊपर स्थान दिया है, वहां अराजकता ने जन्म लिया है। भीड़ का निर्णय तत्काल भावनाओं पर आधारित होता है जबकि न्यायालय का निर्णय तथ्यों, साक्ष्यों और विधिक प्रक्रिया पर आधारित होता है। भीड़ क्षणिक क्रोध में निर्दोष व्यक्ति को भी दोषी मान सकती है, जबकि न्यायिक प्रक्रिया प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर देती है। इसलिए न्यायिक प्रक्रिया कभी कभी धीमी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन उसका उद्देश्य स्थायी और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करना होता है। आज सोशल मीडिया के युग में यह चुनौती और बढ़ गई है। किसी घटना का वीडियो कुछ ही मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। अनेक बार अधूरी जानकारी या भ्रामक संदेशों के आधार पर जनमत तैयार होने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में सरकारों पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बनता है। यदि प्रशासन केवल सोशल मीडिया की भावनाओं के आधार पर निर्णय लेने लगे तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक निर्णय तथ्यों, जांच और विधिक प्रक्रिया पर आधारित हो।

(यह लेखक के निजी विचार है)

हर किसी का अपना सावन है...

डॉ. प्रियंका सौरभ,
लेखिका

भारत में सावन सिर्फ बारिश का मौसम नहीं है, बल्कि जीवन के सभी रूपों का उत्सव है। भारत मानसून के आगमन के साथ मौसम में बदलाव का स्वागत करता है, और इससे भी कहीं अधिक। यह एक ऐसे मौसम की शुरुआत है जो फलों की भरपूर फसल, ताजगी और नए जीवन को जन्म देता है, साथ ही मानव हृदयों में नई आशा और सदियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करता है। महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है। कृषि आज भी इस देश में लाखों लोगों का प्रमुख रोजगार स्त्रोत है और बारिश का समय पर आना या न आना कई जगहों पर जीवन-मरण का सवाल होता है। हम सभी को इंतजार करना पड़ता है, और हर बादल उम्मीद लेकर आता है, हर बौछार राहत देती है, हर हरा-भरा खेत महीनों के धैर्य और मेहनत का फल होता है। समय पर बारिश होने से मिट्टी उपजाऊ होती है और किसान का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए।

सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज़ एक संयोग नहीं है।

सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है। नवविवाहित बेटियों के लिए यह मौसम अक्सर बचपन के घर को यादों से भर देता है और उन रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर होता है जो भले ही टूट गए हों, लेकिन कभी खोए नहीं। यह सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है; ये लोक परंपराएं हैं और भारत के भावनात्मक और सामाजिक ताने-बाने की अभिव्यक्ति हैं। सावन का मौसम बच्चों की तरह आनंदित होता है। उन्हें कृषि उत्पादन या मौसम पूर्वानुमान की कोई चिंता नहीं होती। बारिश का मतलब है नंगे पैर नाचना, पानी के गड्ढों में कागज़ की नावें तैराना, इंद्रधनुष के पीछे खेलना और खुलकर हंसना। जब वे खुश होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बड़ों को एक सरल तथ्य याद आ रहा हो: कभी-कभी, खुशी छोटी-छोटी चीजों में ही होती है! लेकिन आजकल के बच्चे बाहर और निर्धारित गतिविधियों में बहुत कम समय बिताते हैं। कई बच्चों के लिए मानसून उस समय में आता है जब डिजिटल मनोरंजन बाहरी खेलों की जगह ले रहा होता है। प्रकृति के साथ इस घनिष्ठ संबंध को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जंगलों और नदियों के साथ। लेकिन वृद्ध लोगों के लिए सावन का अर्थ अलग होता है। जब बारिश के दिन आते हैं, तो उन्हें कई बातें याद आ जाती हैं: बचपन के खेल, बचपन की दोस्ती, पारिवारिक मिलन और सादगी भरे पल। यह सिर्फ खिड़की के पास बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेते हुए बाहर बारिश की हल्की आवाज़ सुनने का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन भर के अनमोल पलों को याद करने का समय है। इस मायने में मानसून स्मृतियों का साथी होता है।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक
हिन्दुस्तान एकता
info@hindustanekta.com

न्यूज ब्रीफ

केरल के पलक्कड़ में खाई में गिरी रोडवेज बस, कई घायल

नई दिल्ली » केरल के पलक्कड़ जिले में नेन्मारा के पास पोतुंडी में सोमवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुआ जब रोडवेज की यह बस नेल्लियामपति से नेन्मारा की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस खाई में गिरने के बाद पेड़ों के बीच अटक गई, जिससे वह गहराई में गिरने से बच गई। इस हादसे में कई यात्रियों को चोटें आई हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पाकिस्तान में एम2 मोटरवे के पास बस दुर्घटना, 13 घायल और बुनियादी ढांचे पर सवाल

नई दिल्ली » पाकिस्तान भर में लगातार बुनियादी ढांचे की खामियों, नागरिक कुप्रबंधन और बढ़ते सार्वजनिक सुरक्षा जोखिमों को उजागर करते हुए, सरगोधा में सड़क दुर्घटनाओं, ढांचागत विफलताओं और शहरी बाढ़ की घटनाओं की एक श्रृंखला देखी गई है, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है। बहेरा इंटरचेंज के पास एम2 मोटरवे पर एक बड़ी सड़क दुर्घटना में, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे टायर बदलने के लिए खड़ी एक वाहन से टकरा गई, जिससे यात्री बस पलट गई। शनिवार को 13 लोगों को गंभीर चोटें आईं।

छात्रों का विरोध-प्रदर्शन... सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

राज्य एफआईआर वापस लेने को स्वतंत्र आपराधिक इतिहास पर भी साफ किया रुख

एजेंसी » नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साफ किया कि राज्य सरकारें नीट पेपर लीक के ख़िलाफ़ देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के ख़िलाफ़ दर्ज एफआईआर को बंद करने या वापस लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते ऐसा कानून के अनुसार किया जाए। अपने पहले के आदेश को स्पष्ट करते हुए, शीर्ष अदालत—जो 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी—ने कहा कि राज्य छात्र प्रदर्शनकारियों के ख़िलाफ आपराधिक मामलों को वापस लेने या बंद करने के लिए स्वतंत्र हैं, जहाँ भी ऐसा करना कानूनन जायज हो; यह एक महत्वपूर्ण टिप्पणी है जो विरोध प्रदर्शनों से जुड़े कई मामलों में राहत का रास्ता खोल सकती है।

कोर्ट ने आपराधिक इतिहास के बारे में अपनी पिछली बात का दायरा भी सीमित कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि यह बात सिर्फ़ उन लोगों पर लागू होती है जिन पर हत्या, रेप, आतंकवाद और दूसरे गंभीर अपराधों के आरोप हैं। इसका मतलब है कि जिन छात्रों पर मामूली अपराधों के आरोप हैं, उन्हें आपराधिक इतिहास वाला नहीं माना जाएगा और वे कोर्ट से मिलने वाली राहत के लिए योग्य बने रहेंगे। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि वह विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मुद्दों की जांच के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी बना सकता है। बेंच ने आगे कहा कि वह कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा पैलेट गन के इस्तेमाल पर एक विस्तृत प्रोटोकॉल बनाना चाहती है। कार्यवाही के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कोर्ट यह तय करेगा कि पैलेट गन का इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं, और अगर किया जा सकता है, तो किन हालात में। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से कहा कि मामले को गरमाए रखने से कोई फायदा नहीं होगा और बेंच को बताया कि वह कॉकरोच जनता पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील से बातचीत कर रहे हैं। केंद्र ने यह भी कहा कि सरकार इस मामले में अपनी प्रतिबद्धताओं को लेकर गंभीर है और कोर्ट के सामने अपना हलफनामा दाखिल करेगी।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी। यह मामला दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ़ विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट पुलिस की कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने से लेकर प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग और ज्यादती के लिए जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विचार कर रहा है। सोमवार को दी गई स्पष्टीकरण से राज्यों और जांच एजेंसियों को यह समझने में मदद मिलने की उम्मीद है कि कार्यवाही के अंतिम नतीजे तक छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ़ मामलों को कैसे संभाला जाए।

लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने वाला विधेयक किया पारित

नई दिल्ली » लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला विधेयक सोमवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच बिना चर्चा के पारित कर दिया। सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन हंगामा नहीं थमा। सदन ने विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही ध्वनिमत से बिना चर्चा के विधेयक को पारित कर दिया। इससे पहले सदन ने इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा मई में लागू किए गए अध्यादेश को नामंजूर करने के तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय के संकल्प को अस्वीकृत कर दिया।

छत्रपति संभाजीनगर में सीजेपी की रणनीति बैठक

नहीं बनेंगे पॉलिटिकल पार्टी चाहिए जन-आंदोलन: संस्थापक

एजेंसी » नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को घोषणा की कि उसकी कोर टीम 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठनात्मक नेता शामिल होंगे, जो पार्टी के युवा आंदोलन के अगले कदमों पर चर्चा करेंगे। हाल के दिनों में, सीजेपी के सदस्यों ने पार्टी की भविष्य की दिशा तय करने के लिए कई तरह के स्टेकहोल्डर्स से बातचीत की है, जिनमें जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में सक्रिय रूप से शामिल रहे पचास मुख्य वॉलंटियर्स भी शामिल हैं।

रणनीति बैठक के बाद, सीजेपी युवाओं की ज़रूरतों और उम्मीदों को समझने के लिए अपने वॉलंटियर्स के साथ देशव्यापी 'लिसनिंग टूर' (बातचीत का दौरा) शुरू करेगा। यह कदम पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के ख़िलाफ़ सीजेपी के उस सफल विरोध-प्रदर्शन के बाद उठाया जा रहा है, जिसके कारण उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ा था। मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि युवाओं के हाथों इस अहंकारी सरकार की हार यह दिखाती है कि जब युवा एकजुट होते हैं, तो वे कुछ भी हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारी टीम युवाओं की उम्मीदों को सार्थक कार्यों में बदलने के लिए आगे का सबसे अच्छा रास्ता तैयार करने पर काम कर रही है।

प्रियंका गांधी का मोदी सरकार पर वार

बृजभूषण शरण सिंह की रिहाई महिला सुरक्षा पर पाखंड

एजेंसी » नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर के बरी होने पर केंद्र सरकार की आलोचना की और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो वे कहते हैं कि वे युवा पीढ़ी के साथ हैं, महिला सशक्तिकरण और महिला आरक्षण की बात करते हैं, और दूसरी तरफ वे ऐसा करते हैं।

बृजभूषण शरण सिंह से जुड़ा यौन उत्पीड़न का मामला महिला पहलवानों द्वारा डब्ल्यूएफआई प्रमुख के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान लगाए गए आरोपों से शुरू हुआ था। दिल्ली पुलिस ने 2023 में सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें यौन उत्पीड़न, महिलाओं के खिलाफ हमला या आपराधिक बल का इस्तेमाल और आपराधिक धमकी जैसे अपराधों का आरोप लगाया गया था। इस मामले में तोमर को भी सह-आरोपी बनाया गया था। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसमें संसद के भीतर विपक्ष की मांगों पर बात करने की हिम्मत नहीं है। इन मांगों में छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी का मामला शामिल है।

भारत-उज्बेकिस्तान 3 साल में दोगुना करेंगे व्यापार: पीयूष गोयल

नई दिल्ली » वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और उज्बेकिस्तान अगले तीन वर्षों में अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से खनन, फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर प्रकाश डाला। गोयल ने भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच वर्तमान में लगभग 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होता है, जिसे बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। मंत्री ने दोनों देशों के व्यवसायों से एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने भारत की आईटी, कुशल कार्यबल और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में ताकत का उल्लेख किया, जबकि उज्बेकिस्तान खनन और कपास उत्पादन में क्षमता प्रदान करता है।

पीएम मोदी पर ट्रंप का दबाव!

ई20 पर केजरीवाल का मार्च का एलान, बोले- 100 लोगों के साथ कल जाऊंगा पीएम आवास

एजेंसी » नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि वे मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास तक एक मार्च का नेतृत्व करेंगे। इस मार्च का मकसद ई20 पेट्रोल के रोलआउट का विरोध करने वाली एक ऑनलाइन याचिका सौंपना है, जिस पर 2,00,000 से ज़्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने कहा कि ई20 पेट्रोल से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा के लिए अपॉइंटमेंट मांगने के लिए पिछले महीने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र का कोई जवाब न मिलने पर वे खुद ये याचिकाएं सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इन याचिकाओं में इस ईंधन से जुड़ी गाड़ियों की समस्याओं के बारे में लोगों की शिकायतें शामिल हैं।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लगातार बढ़ावा देना किसी छिपे हुए एजेंडे की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि मैं कल 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री आवास जाऊंगा ताकि जनता के हस्ताक्षर वाली अर्जियां उन्हें व्यक्तिगत रूप से सौंप सकूं और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर सकूं। लोगों को अपनी गाड़ियों को लेकर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी सरकार इसे जारी रखे हुए है; इसका मतलब है कि इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है। उन्होंने कहा कि लोग कह रहे हैं कि पीएम मोदी पर अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप का दबाव है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी को लिखे अपने पिछले पत्र में उन्होंने पेट्रोल स्टेशनों पर शुद्ध पेट्रोल और ई20 ईंधन, दोनों के विकल्प उपलब्ध कराने और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की कीमत कम करने की मांग की थी।

ईरान ने ट्रम्प के होर्मुज समझौते के दावे को बताया एक और झूठ

नई दिल्ली » रविवार को ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया कि तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ संभावित समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी; ईरान का कहना है कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। ईरानी मीडिया ने ट्रंप के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि तेहरान ने अमेरिका से नियोजित सैन्य हमलों को रोकने के लिए कहा था। मीडिया ने इस दावे को एक और झूठ बताया और कहा कि जब तक अमेरिका की दुश्मनी भरी कार्रवाई जारी रहेगी, तब तक यह रणनीतिक जलमार्ग बंद रहेगा। ईरान की सेमी-ऑफिशियल फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने देश की बातचीत करने वाली टीम के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर कोई समझौता नहीं हुआ है।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

सीडब्ल्यूजी 2026 जश्न के बीच भारत का गलत नक्शा देखकर भड़कीं लवलीना

नई दिल्ली » कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय बॉक्सिंग टीम के लिए ग्लासगो में एक सेलिब्रेशन डिनर रखा गया था। लेकिन इस खुशी के माहौल में उस समय विवाद हो गया, जब ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन की नजर रेस्टोरेंट के नैपकिन पर छपे भारत के नक्शे पर गई। लवलीना ने देखा कि नक्शे में भारत का नॉर्थ-ईस्ट हिस्सा नहीं दिखाया गया था। उन्होंने इस पर अपनी नाराजगी जताई और रेस्टोरेंट से इसे ठीक करने की अपील की। असम की रहने वाली लवलीना ने कहा कि रेस्टोरेंट के नैपकिन और बाहर लगे बोर्ड पर भी भारत का गलत नक्शा दिखाया गया था।

हार्दिक पांड्या-महीका शर्मा की तिरुमला यात्रा, भगवान वेंकटेश्वर का लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली » भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका खेल नहीं बल्कि उनकी धार्मिक आस्था रही। रविवार सुबह हार्दिक पांड्या अपनी मित्र महीका शर्मा के साथ आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंचे, जहां दोनों ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और मंदिर की पारंपरिक धार्मिक विधियों में हिस्सा लिया। उनकी यात्रा की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद यह चर्चा का विषय बन गई। मौजूद जानकारी के अनुसार, हार्दिक पांड्या और महीका शर्मा ने सुबह आयोजित होने वाली सुप्रभात सेवा में भी भाग लिया।

एशियाई खेल में तिरंगा लहराने की तैयारी

सेखोम मीराबाई चानू का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

एजेंसी » नई दिल्ली

स्टार भारोत्तोलक सेखोम मीराबाई चानू और लवप्रीत सिंह सहित राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों के पहले दल का रविवार को यहां स्वदेश लौटने पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैकड़ों प्रशंसकों ने जोरदार स्वागत किया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई ने हवाई अड्डे पर पीटीआई से कहा, ''मणिपुर से होने के नाते मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैं अपने देश के लिए कुछ अच्छा कर सकी।'' पुरुषों के 109 किग्रा से अधिक वर्ग में एक किग्रा के मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूककर रजत पदक जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं।

पंजाब के 28 वर्षीय लवप्रीत ने कहा, ''मैं भारतीय नौसेना, अपने कप्तान विजय कुमार और यहां स्वागत के लिए आए सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं।'' उन्होंने कुल 388 किग्रा वजन उठाया जिसमें 'स्नैच' में राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड 176 किग्रा वजन भी शामिल है। लवप्रीत ने कहा, ''ऐसा हो जाता है (स्वर्ण से चूकना) लेकिन मैंने कड़ी मेहनत की और उसका परिणाम मिला। जब दो खिलाड़ी मुकाबला करते हैं तो एक को हारना पड़ता है। अब मैं एशियाई खेलों की अच्छी तैयारी करूंगा।'' भारतीय भारोत्तोलकों ने अपने अभियान का समापन एक स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल आठ पदक के साथ किया।

महिलाओं के 58 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली बिंदयारानी देवी सोरोखेबम ने कहा, ''जिस तरह सभी ने हमारा स्वागत किया है, उससे बहुत अच्छा लग रहा है। सभी का धन्यवाद, आपने घर जैसा अहसास कराया।'' उन्होंने कहा, ''आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए मैं पहले से भी अधिक कड़ी मेहनत करूंगी।'' पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले ऋषिकांत सिंह ने कहा कि अगली बार वह स्वर्ण पदक जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, ''भारत के लिए पदक जीतकर अच्छा लग रहा है। मैं अपने प्रदर्शन के बारे में पहले ही बात कर चुका हूं, लेकिन अगली बार और मजबूत वापसी करूंगा तथा बेहतर प्रदर्शन करूंगा।''

इम्फाल में जन्मे भारतीय सेना के भारोत्तोलक ऋषिकांत ने अपने गृह राज्य मणिपुर में शांति की अपील करते हुए कहा कि इससे राज्य से और अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए नौसेना और मैतेई दोनों समान हैं। मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि मणिपुर में शांति होनी चाहिए ताकि वहां से मुझसे भी बेहतर खिलाड़ी निकल सकें।'' भारतीय भारोत्तोलन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा, ''यहां जिस तरह हमारा स्वागत किया गया, उससे हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

क्या बदलेगी इंडियन टीम की नीली जर्सी?

नई दिल्ली » भारतीय क्रिकेट टीम की पहचान सिर्फ उसके खिलाड़ियों, रिकॉर्ड और जीतों से नहीं, बल्कि उसकी मशहूर नीली जर्सी से भी है। मैदान पर उतरते ही 'मेन इन ब्लू' करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस की उम्मीदों का प्रतीक बन जाती है। लेकिन अब सोशल मीडिया पर एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टीम इंडिया की आइकॉनिक ब्लू जर्सी को बदलकर भगवा रंग की जर्सी अपनाने की तैयारी कर रहा है? एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद यह मुद्दा क्रिकेट गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। हालांकि, अभी तक बीसीसीआई की ओर से टीम इंडिया की मुख्य जर्सी को भगवा रंग में बदलने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में फिलहाल यह मामला सिर्फ चर्चाओं और कयासों तक सीमित है। टीम इंडिया की नीली जर्सी सिर्फ एक कपड़ा नहीं है, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों के प्यार और भावनाओं की पहचान है।

राजस्थान सरकार की बेरुखी से हैं आहत

सीडब्ल्यूजी गोल्ड विनर अरुंधति चौधरी को बुखार भी नहीं रोक सका

एजेंसी » नई दिल्ली

राजस्थान की पहली मुक्केबाज अरुंधति चौधरी को इस बात की निराशा है कि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने कि ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बावजूद उन्हें अब तक राज्य सरकार की ओर से किसी तरह का प्रोत्साहन या शुभकामना संदेश नहीं मिला है। अरुंधति ने महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके परिवार के त्याग और अपने राज्य के लिए इतिहास रचने की प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए आने के बाद उन्हें पता चला कि वह राष्ट्रमंडल खेलों में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला मुक्केबाज हैं। इस 23 साल की मुक्केबाज ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मेरे लिए यह मौका था कि मैं अपने राज्य के लिए राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली पहली मुक्केबाज बनूं। इसका कोई दबाव नहीं था, बल्कि यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी। मैंने जो सोचा था, वह कर दिखाया। मेरे कोच और पिता ने भी कहा था कि मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन इतिहास रचने का मौका जरूर है।'' अरुंधति ने कहा कि फाइनल मुकाबले में भी उन्होंने एकतरफा जीत दर्ज की, जिससे उनकी उपलब्धि और भी खास बन गई।

एआईटीए चुनावों पर दिल्ली उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला, पुनर्विचार याचिका खारिज

एजेंसी » नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व डेविस कप खिलाड़ी सोमदेव देववर्मन और पूर्व युगल खिलाड़ी पुरव राजा की पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के चुनावों के लिए निर्धारित मानदंडों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है और सभी संबद्ध राज्य निकायों को संघ के चुनावों में मतदान करने की अनुमति दे दी है, भले ही उन्होंने अभी तक राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और एआईटीए के संशोधित संविधान का अनुपालन नहीं किया हो। न्यायमूर्ति तेजस कारिया और मधु जैन की खंडपीठ ने पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अपीलकर्ता आपसी सहमति से निपटाए गए मुद्दों को 'फिर से उठाने' की कोशिश कर रहे हैं और रिकॉर्ड में ऐसी कोई स्पष्ट गलती नहीं पाई गई थी जिसके लिए पुनर्विचार करना जरूरी हो। यह समीक्षा याचिका अदालत के 18 जून के अंतरिम आदेश से संबंधित है, जो देववर्मन, राजा और एआईटीए की एकल न्यायाधीश के 27 अप्रैल, 2024 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों पर आधारित है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और राष्ट्रीय खेल प्रशासन नियम, 2026 के तहत निर्धारित समयसीमा को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्ष एक अंतरिम व्यवस्था पर सहमत हुए थे। इसके तहत एआईटीए पहले अपने संविधान और उपनियमों में संशोधन करके उन्हें नए खेल कानून के अनुरूप बनाएगा और फिर 30 सितंबर, 2026 तक अपनी कार्यकारी समिति के चुनाव करेगा। 18 जून के आदेश में यह भी निर्देश दिया गया था कि संशोधनों पर सिलसिलेवार विचार करने के लिए असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुलाई जाए।

भारतीय बॉक्सर्स के कमाल पर श्रेयस अय्यर का रिएक्शन

नई दिल्ली » ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। भारत के नए टी20 कप्तान

श्रेयस अय्यर ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए खिलाड़ियों की खुलकर सराहना की। उन्होंने खास तौर पर भारतीय बॉक्सर्स की तारीफ की, जिन्होंने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन करते हुए देश को बॉक्सिंग स्पर्धा में पहली बार पदक तालिका में शीर्ष स्थान दिलाया।

बृजभूषण केस में बरी होते ही विनेश फोगाट का वार: सिस्टम ने दिया धोखा, न्याय नहीं मिला!

एजेंसी » नई दिल्ली

महिला पहलवानों की ओर से दर्ज कराए गए हाई-प्रोफाइल यौन उत्पीड़न के मामले में रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के बरी होने की खबर ने सबका ध्यान खींचा है। गौरतलब है कि दिल्ली की एक अदालत ने बृजभूषण को इस मामले में सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर के साथ बरी कर दिया। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने राउज एवेन्यू कोर्ट में यह फैसला सुनाया। हालांकि, पहलवानों को यह खबर पसंद नहीं आई; विनेश फोगाट ने तुरंत सामने आकर इस फैसले पर अपनी निराशा ज़ाहिर की। फैसले के तुरंत बाद जारी एक बयान में विनेश फोगाट ने कहा कि सिस्टम बृजभूषण को बचा रहा है और कई महिला पहलवानों ने अपनी कानूनी टीम को अपील दायर करने का निर्देश दिया है। विनेश फोगाट ने एक बयान में कहा कि सत्ताधारी पार्टी के एक ताकतवर नेता के खिलाफ़ FIR दर्ज कराने और सड़कों पर उतरने के लिए हमें बहुत हिम्मत जुटानी पड़ी। बृज भूषण ने अपनी ताकत और दबदबे का इस्तेमाल करके कई लड़कियों को डरा-धमकाकर उनके नाम वापस करवा दिए। फिर भी, कई महिला पहलवान डटी रहीं और कोर्ट में बृज भूषण के खिलाफ़ लड़ती रहीं।

उन्होंने कहा कि हमें बहुत दुख है कि कोर्ट ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों में बृज भूषण शरण सिंह को दोषी नहीं पाया। पहले दिन से ही पूरा सरकारी तंत्र, सरकार और यह सिस्टम बृज भूषण को बचाने में लगे हुए हैं। बृजभूषण सिंह के बरी होने का फ़ैसला 2023 में शुरू हुए विवाद में एक अहम मोड़ है।

वायरल पोस्ट

जान्हवी कपूर ने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया संग शेयर की रोमांटिक तस्वीरें...

इन दिनों जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया का प्यार खुमार सर चढ़कर बोल रहा है। गौरतलब है कि कपल का रिलेशन अब किसी से छिपा नहीं है। जान्हवी और शिखर को हमेशा एक साथ देखा जाता है। कई इवेंट में दोनों एक साथ शिरकत करते हैं। अक्सर कपल सोशल मीडिया पर दोनों खुलेआम एक-दूसरे पर प्यार लुटाते हैं। हाल ही में जान्हवी ने कुछ फोटोज को शेयर किया है, जिनमें शिखर के साथ उनकी बॉन्डिंग काफी जबरदस्त लग रही है।

» **जान्हवी कपूर ने बॉयफ्रेंड संग इंस्टाग्राम पर शेयर की तस्वीर...** जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर की है। जो उन्होंने तस्वीर को शेयर की है, वह किसी फंक्शन की है। इन फोटोज को देखकर आपको लगेगा कि एक्ट्रेस के लिए पूरा फैमिली मूमेंट बन गया है। बता दें कि, इन तस्वीरों में जान्हवी के साथ उनके पिता बोनी कपूर और छोटी बहन खुशी कपूर भी नजर आईं। जान्हवी के इस खूबसूरत अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। इस आयोजन की सबसे खास यही बात रही है कि उनके लिए फैमिली के साथ-साथ 'शिखू मूमेंट' भी बना गया। दरअसल, इन फोटोज में जान्हवी के बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी नजर आ रहे हैं।

» **कपल हाथों में हाथ डाले पोज देते नजर आए...** गौरतलब है कि इन तस्वीरों में शिखर को जान्हवी के साथ काफी खुश नजर आ रहे हैं। दोनों ही हाथों में हाथ डाले पोज देते दिख रहे हैं। दूसरी तरफ, एक तस्वीर में शिखर और जान्हवी स्टेज पर साथ में परफॉर्म करते दिख रहे हैं। जान्हवी ने कैप्शन में लिथा है, मैंने कोशिश तो की, लेकिन ये तस्वीरें इतनी प्यारी थीं कि इन्हें पोस्ट किए बिना नहीं रह सकी'। एक तस्वीर में शिखर के साथ खुशी कपूर पोज देती नजर आ रही है। वैसे इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि जान्हवी किसी करीबी के शादी के फंक्शन में हैं। लेकिन एक्ट्रेस ने पोस्ट पर इस बात का खुलासा नहीं किया है कि ये तस्वीरें कहां की हैं? जान्हवी के इन तस्वीरों पर उनके फैंस ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं।

प्राइम वीडियो पर आ रहा है रियलिटी शो

द ट्रेटर्स सीजन 2: करण जौहर के शो में दिखेंगे ये 21 कंटेस्टेंट्स...

प्राइम वीडियो के चर्चित रियलिटी शो द ट्रेटर्स का दूसरा सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच आने वाला है। पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद करण जौहर एक बार फिर इस शो को होस्ट करते नजर आएंगे। इस बार शो में बॉलीवुड, टेलीविजन, सोशल मीडिया, संगीत, फूड, बिजनेस और डिजिटल दुनिया से जुड़े 21 चर्चित चेहरों को शामिल किया गया है। यह नया सीजन 13 अगस्त से प्रीमियर होगा।

» **करण जौहर फिर संभालेंगे होस्ट की कमान...** द ट्रेटर्स एक ऐसा रियलिटी शो है, जिसमें रणनीति, भरोसा, धोखा और माइंड गेम्स सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। दूसरे सीजन में भी प्रतियोगियों को एक-दूसरे पर शक करते हुए अपनी रणनीति के दम पर आखिर तक टिके रहना होगा।

» **द ट्रेटर्स 2 के कंटेस्टेंट्स की पूरी लिस्ट...** इस बार शो में कई जाने-माने कलाकार, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अलग-अलग क्षेत्रों की चर्चित हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। इनमें शामिल हैं, मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, शालिनी पासी, अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान), श्वेता तिवारी, रणवीर बरार, रिया चक्रवर्ती, क्रिस्टल डिसूजा, दलीप ताहिल, पारुल गुलाटी, साउंडस मौफाकिर, शाहनील गिल, हरमन सिंघा, इक्का, आदित्य कुलश्रेष्ठ (कुल्लू), तान्या पुरी, करण सिंह, रिदा थराना, साहिल सलाथिया, अंश चोपड़ा और प्रिशा।

» **कई कंटेस्टेंट्स के लिए होगा नया अनुभव...** इस सीजन में कई ऐसे चेहरे भी नजर आएंगे जो पहली बार इस तरह के साइकोलॉजिकल रियलिटी शो का हिस्सा बन रहे हैं। मल्लिका शेरावत, रणवीर बरार, रिया चक्रवर्ती, शाहनील गिल और तान्या पुरी जैसे कंटेस्टेंट्स के लिए यह बिल्कुल नया अनुभव होगा। वहीं मुनव्वर फारुकी, श्वेता तिवारी, अभिषेक मल्हान, साउंडस मौफाकिर और साहिल सलाथिया जैसे प्रतिभागी पहले भी कई रियलिटी शोज में अपनी रणनीति और प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं।

जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में हुई शूटिंग... द ट्रेटर्स 2 की शूटिंग इस साल राजस्थान के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ पैलेस में की गई है। मेकर्स का दावा है कि इस बार दर्शकों को पहले से ज्यादा रोमांच, बदलते गठबंधन, चौंकाने वाले धोखे और जबरदस्त माइंड गेम्स देखने को मिलेंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि 21 प्रतियोगियों में से कौन अपनी रणनीति, समझदारी और धैर्य के दम पर सभी को मात देकर द ट्रेटर्स सीजन 2 का विजेता बनता है।

बॉलीवुड न्यूज

आयुष्मान ने पूरी की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग दिल्ली में साझा की तस्वीरें

» अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपनी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग पूरी होने पर सेट से कई तस्वीरें साझा की हैं। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आयुष्मान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में हैं। राजश्री प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। आयुष्मान ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह पोस्ट साझा की। पहली तस्वीर में वह शरवरी के साथ नजर आ रहे हैं, जिसके बाद फिल्म के सेट की अन्य तस्वीरें हैं। उन्होंने में लिखा, ''ये प्रेम मोल लिया की शूटिंग बाणगंगा में सबसे शुभ तरीके से पूरी हुई। ...इस सफर को इतना खास बनाने के लिए सूरज सर, राजश्री प्रोडक्शंस, महावीर जैन और पूरी टीम का दिल से धन्यवाद। अब हमें उस पल का बेसब्री से इंतजार है, जब हम सूरज बड़जात्या की यह फिल्म 27 नवंबर को सिर्फ सिनेमाघरों में आपके और आपके परिवार के सामने पेश करेंगे।'

ग्लोबल सिखों के साथ मिलकर असम में राहत कार्य कर रहे हैं रणदीप हुड्डा

» बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा इस समय असम के शिवसागर जिले में हैं। वह एक एनजीओ के जरिए बाढ़ से परेशान लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने के काम में हिस्सा ले रहे हैं। शनिवार को रणदीप ने 'ग्लोबल सिखों' संस्था के साथ मिलकर बाढ़ से प्रभावित लोगों को राशन और बाकी जरूरी सामान बांटा। आपको बता दें कि असम में बाढ़ की वजह से अब तक 82 लोगों की जान जा चुकी है और लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। रविवार को शिवसागर में राहत काम के दौरान रणदीप हुड्डा ने बताया कि इलाके में पानी अभी भी बहुत गहरा है। बाढ़ आए 10 दिन हो चुके हैं, लेकिन कई परिवार अभी भी पानी में फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया, 'हमने जरूरी सामान बांटा है। दूर-दराज के इलाकों में लोग काफी परेशान हैं। कई घरों में कीचड़ भर गया है और अगर पानी जल्द नहीं निकला, तो बीमारियां फैलने का बड़ा खतरा है।' उन्होंने आगे बताया कि 'ग्लोबल सिखों' की टीम हफ्ते भर से यहां काम कर रही है। जिन लोगों के बर्तन और जरूरी चीजें बह गई हैं, उन्हें वे सामान पहुंचाए जा रहे हैं।

खतरों के खिलाड़ी 15

शगुन शर्मा ने गौरव खन्ना पर लगाया बुलिंग का आरोप

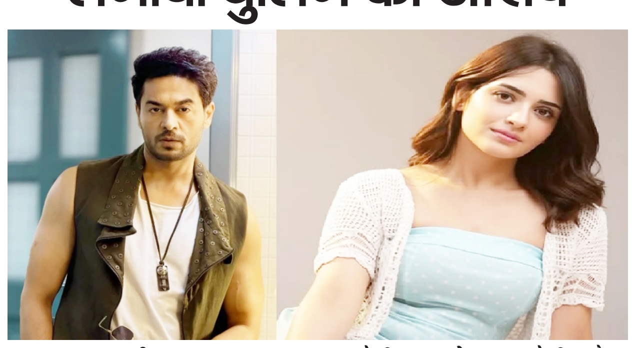

आज यानी 1 अगस्त 2026 से लोकप्रिय रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' शुरु हो चुका है। इस शो में टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शगुन शर्मा भी नजर आने वाली है। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाला रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में शगुन ने बड़ा खुलासा किया है। टीवी एक्ट्रेस ने बताया कि शो में अभिनेता गौरव खन्ना ने उनेक साथ काफी बुरा बर्ताव किया है। जाने क्या है पूरा मामला?

» **गौरव खन्ना से फिर मिलना नहीं चाहतीं शगुन शर्मा...** टीवी एक्ट्रेस ने हाल ही में फिल्मीज्ञान को इंटरव्यू दिया है और उन्होंने कहा है कि, 'मुझे लगता है कि गौरव खन्ना एक ऐसे इंसान हैं जिनसे मैं मिलना नहीं चाहूंगी। वह ऐसे शख्स थे, जिन्होंने मुझे बहुत बुली किया है। मान लीजिए, यदि पांच लोग कोई टास्क करते हैं और उनमें से चार उसे छोड़ देते हैं, तो उन चारों में से वह मुझे सबसे ज्यादा टोकते थे।' शगुन आगे बताती हैं, 'गौरव मुझे देखकर कहते खे कि यह टास्क छोड़ देती है, यह कमजोरा है। लेकिन मुझे लगता है कि रियलिटी शो में आप खुद का एक अलग वर्जन बन जाते हैं। इसलिए मैं यह नहीं कहूंगी कि शायद वह रियल लाइफ में एकदम वैसे ही जैसे उन्होंने वहां बिहेव किया था।'

स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे

भारत में फिल्म ने कमाए 131 करोड़ रुपये

टॉम हॉलैंड और ज़ेंडाया अभिनीत 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' ने भारत में रिलीज के दूसरे दिन 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म, जिसका निर्देशन डेस्टिन डेनियल क्रेटन ने किया है, भारत में गुरुवार को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में 2डी और 3डी दोनों प्रारूपों में रिलीज हुई। इसमें हॉलैंड पीटर पार्कर/स्पाइडर-मैन के रूप में हैं, साथ ही ज़ेंडाया, जैकब बैटलोन और सेडी सिंक भी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 72.44 करोड़ की सकल कमाई की और अगले दिन 59.02 करोड़ कमाए, जिससे बॉक्स ऑफिस पर कुल सकल कमाई 131.46 करोड़ हो गई। 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' 2021 की 'नो वे होम' की घटनाओं के चार साल बाद शुरू होती है, जिसमें पीटर पार्कर अकेले जीवन जी रहा है, जिसने अपने प्रियजनों की यादों से खुद को मिटा दिया है।

फिल्म उसे एक नए और शक्तिशाली खतरे का सामना करते हुए दिखाती है, जबकि वह अपने अपराध-लड़ने वाले जीवन की मांगों से प्रेरित एक आश्चर्यजनक शारीरिक विकास से जूझ रहा है। 'ब्रांड न्यू डे' मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की 38वीं फिल्म है और इसका निर्माण केविन फीज और एमी पास्कल ने किया है।

इसमें मार्क रुफालो ब्रूस उर्फ द हल्क के रूप में, जॉन बर्न्थल द पनिशर के रूप में, और माइकल मैंडो स्कॉर्पियन के रूप में भी हैं।

'आग में घी' न डालें: कंगना रनौत ने ऋतिक रोशन को दी नसीहत

सोशल मीडिया पर इस समय कंगना रनौत काफी सुर्खियों में है। दरअसल, कंगना रनौत और ऋतिक रोशन से जुड़ा हुआ एक ट्रेंड वायरल हो रहा है जिस पर एक्टर ने रिएक्शन देकर हर किसी का ध्यान खींच लिया है। जिसके बाद से कंगना ऋतिक की क्लास लगाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। कुछ समय पहले कंगना ने जेन-जी को लेकर बुरा-भला कहा है। जिसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनके दोस्तों ने उनसे कहा कि कंगना उनके पीछे इसलिए पड़ी हैं क्योंकि उनकी शक्ल ऋतिक रोशन से मिलती है।

'370 की बिरयानी' विवाद के बाद पहली बार स्टेज पर लौटे प्रणित मोरे

» स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणित मोरे ने '370 की बिरयानी' विवाद के बाद पहली बार लाइव परफॉर्मेंस दी। लंबे समय बाद स्टेज पर लौटे प्रणित अपने फैंस का प्यार देखकर भावुक हो गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इतनी मुश्किलों के बाद भी लोगों से इतना सपोर्ट मिलने की उम्मीद नहीं थी। लाइव शो के दौरान प्रणित मोरे ने दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, जब मैं स्टेज पर आया और आप लोगों ने मेरा स्वागत किया, तब मेरे मन में यही सवाल था कि क्या लोग मुझे फिर से स्वीकार करेंगे? लेकिन आप सभी ने जिस तरह मेरा साथ दिया, उसके लिए मैं दिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कभी स्टैंडअप कॉमेडी सिर्फ पैसे या शोहरत के लिए नहीं शुरू की थी। उनका मकसद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना था। प्रणित ने कहा, मैं नौकरी के साथ स्टैंडअप करता था क्योंकि इससे मुझे खुशी मिलती थी। हमेशा यही चाहता था कि मेरी वजह से दूसरे लोगों को भी खुशी मिले। जब ऐसा नहीं होता तो दुख जरूर होता है। शो के दौरान प्रणित ने अपनी मां की कही बात भी साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा, गलती सबसे होती है।

'रामायण पार्ट-1' का 4 मिनट 9 सेकंड का ट्रेलर रिलीज

रणबीर कपूर और यश के दमदार अंदाज ने जीता दिल

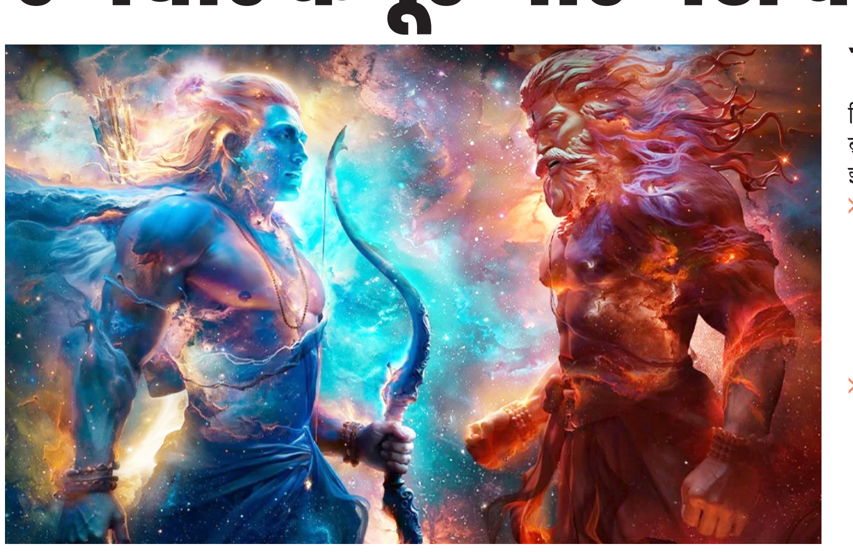

काफी समय से जिस फिल्म का इंतजार किया जा रहा था, उसका ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण पार्ट 1' का 4 मिनट 9 सेकंड का ट्रेलर 30 जुलाई को ब्रह्म मुहूर्त में जारी किया गया। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा शुरू हो गई और दर्शकों ने इसे अच्छा रिस्पॉन्स दिया।

» **रावण के किरदार में यश का दमदार लुक...** ट्रेलर की शुरुआत रावण के किरदार में यश से होती है। उनका लुक, एक्सप्रेशन और स्क्रीन प्रेजेंस लोगों को काफी पसंद आई। ट्रेलर में सिंहासन की लड़ाई, सफेद हाथी के साथ मुकाबला और युद्ध के कई बड़े सीन दिखाए गए हैं। इन दृश्यों में रावण के रूप में यश का ताकतवर और घमंडी अंदाज साफ नजर आता है।

» **भगवान राम बने रणबीर कपूर, सीता के रूप में दिखीं साई पल्लवी...** भगवान राम के किरदार में रणबीर कपूर शांत, गंभीर और आत्मविश्वास से भरे नजर आए हैं। उनके लुक और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। वहीं, सीता के रोल में साई पल्लवी का सरल और सुंदर रूप देखने को मिला। ट्रेलर के आखिर में उनका तलवार चलाते हुए दिखाया गया सीन भी लोगों को चौंकाने वाला रहा।

» **अरुण गोविल ने निभाया दशरथ का किरदार...** फिल्म में राजा दशरथ के रोल में अरुण गोविल नजर आए हैं। ट्रेलर में उनकी भावुक अदाकारी की भी झलक देखने को मिली, जिसे दर्शकों ने पसंद किया।

» **इन किरदारों की भी दिखाई गई झलक...** ट्रेलर में कैकेयी, मंथरा, शूर्पणखा और लक्ष्मण जैसे अहम किरदारों की भी पहली झलक दिखाई गई है। शूर्पणखा की नाक काटने वाला मशहूर दृश्य भी ट्रेलर का हिस्सा है। शूर्पणखा के रोल में रकुल प्रीत सिंह प्रभावशाली लगीं, जबकि लक्ष्मण के किरदार में रवि दुबे की छोटी लेकिन खास झलक देखने को मिली।

» **सोशल मीडिया पर मिल रहा शानदार रिस्पॉन्स...** ट्रेलर रिलीज होने के कुछ ही समय बाद सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा तेज हो गई। खास तौर पर रणबीर कपूर के भगवान राम और यश के रावण वाले किरदार की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म के शानदार विजुअल्स और भव्य प्रस्तुति ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com